Hindustan (Date: 29/07/2019)

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने दी हरी झंडी

एप बताएगा फसलों का रोग, ड्रोन छिड़केगा दवा

हिन्दुस्तान
एक्सक्लूसिव

पटना | प्रियरंजन

खेतों में लगी फसल की बीमारी की जानकारी कंप्यूटर एप्लीकेशन (एप) देगा। उस जानकारी के आधार पर वैज्ञानिक दवा बताएंगे। सरकार बीमारी वाले इलाकों के खेतों में उस दवा का छिड़काव ड्रोन से कराएगी।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत बिहार कृषि विश्वविद्यालय के इस प्रस्ताव को भारतीय कृषि अनुसांधन संस्थान (आईसीएआर) ने हरी झंडी दे दी है। राज्य सरकार की मंजूरी के बाद इसे जमीन पर उतार दिया जाएगा। पहली बार बनी इस अनूठी योजना का मूल आधार एक्स-रे से मरीज की बीमारी पता लगाने की तकनीक पर है। उसी तकनीक के आधार पर ड्रोन से खेतों में लगी फसल की तस्वीर ली जाएगी। तस्वीर अलग-अलग फसलों की कई एन्गिल से ली जाएगी। सभी तस्वीरों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित एप में डाला जाएगा। तस्वीर का विश्लेषण कर कंप्यूटर सभी बीमारियों की जानकारी दे देगा। उसके बाद वैज्ञानिकों की सलाह पर ड्रोन से ही फसलों पर दवा का छिड़काव होगा।

एक नजर

- चार फसलों के लिए है यह योजना
- छह कृषि कॉलेज करेंगे संचालन

नई तकनीक से फसल में लगने वाली बीमारी का पता शुरू में ही चल जाएगा। इससे इलाज आसान होगा। साथ ही ड्रोन से दवा का छिड़काव होगा तो बीमारी का फैलाव भी रुकेगा। अभी बीमारी वाले खेत में छिड़काव होने पर कीड़े दूसरी खेत में चले जाते हैं।

– डा. प्रेम कुमार, कृषि मंत्री

पटना के टाल क्षेत्र में किसानों को अधिक सुविधा होगी

नई योजना से सभी जिलों को तो लाभ होगा लेकिन पटना के टाल क्षेत्र में किसानों को अधिक सुविधा होगी। योजना सफल हुई तो वहां के किसान एक बार फिर से चने की खेती में रुचि लेने लगेंगे। बीमारी के कारण इस क्षेत्र के किसानों ने चने की खेती से मुंह मोड़ना शुरू कर दिया है। खास बात यह कि इस क्षेत्र में बीमारी लगने पर किसानों के लिए छिड़काव ड्रोन से हो सकेगा।

योजना के संचालन की जिम्मेवारी तीन कॉलेजों को

योजना के संचालन की जिम्मेवारी बिहार कृषि विवि के डुमरांव (बक्सर), नूरसराय (नालंदा), किशनगंज, सहरसा व सबौर (भागलपुर) स्थित कॉलेजों को दी जाएगी। ये कॉलेज अपने क्षेत्र के जिलों में फसलों की बीमारी का पता लगाएंगे। पायलट के रूप में अभी चार फसलों को योजना में शामिल किया गया है। धान, मक्का, चना और मसूर की फसलों पर वैज्ञानिक इस योजना के साथ काम करेंगे।